DHRUVA नीति

[स्रोत: पीआईबी]

डाक विभाग ने **DHRUVA (डिजिटल हब फॉर रेफरेंस एवं यूनिक वर्चुअल एड्रेस) नीति** की शुरुआत की है, जो एक **भौगोलिक कोडयुक्त डिजिटल पता प्रणाली** है, जिसका उद्देश्य **भारत में शासन, लॉजिस्टिक्स और सेवा वितरण** में क्रांतिकारी बदलाव लाना है।

DHRUVA नीति

- **परिचय:** यह एक **अग्रणी** डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) पहल है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में **पते की संरचना और प्रबंधन में क्रांतिकारी परिवर्तन** लाना है, जिसके तहत **प्रत्येक घर को एक विशिष्ट डिजिटल पता** प्रदान किया जाएगा।
  - **एड्रेस-एज़-ए-सर्विस (AaaS)** मॉडल पर आधारित यह प्रणाली **भौगोलिक कोडयुक्त पते की जानकारी को सुरक्षित और सहमति-आधारित तरीके से साझा** करने की सुविधा देती है तथा वह भी एक **सुगम डिजिटल प्लेटफॉर्म** के माध्यम से।
  - यह पूरी तरह से **भारत में** विकसित की गई है, जो **स्वदेशी तकनीक और घरेलू नवाचार** को बढ़ावा देती है।
- **उद्देश्य:** यह ई-कॉमर्स, **डाक और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में डिलीवरी लागत** को कम कर सकता है तथा साथ ही **टेलीकॉम, ब्रॉडबैंड एवं शहरी शासन** में संसाधन योजना को बेहतर बना सकता है।
- **लेयर (Layers): यह प्रणाली दो प्रमुख लेयर से बनी है:**
  - **डिजिटल पोस्टल इंडेक्स नंबर (DIGIPIN): DIGIPIN** एक **10-अंकीय अल्फान्यूमेरिक कोड** है, जो **सटीक भौगोलिक स्थान** (अक्षांश-देशांतर) को दर्शाता है। इसे पूरे भारत में **4x4 मीटर ग्रिड्स** के आधार पर तैयार किया गया है।
    - यह **प्रत्येक स्थान को भू-स्थानिक डेटा** के माध्यम से **एक विशिष्ट पहचान** प्रदान करता है।
  - **डिजिटल एड्रेस लेयर (Digital Address Layer):** यह एक **उपयोगकर्त्ता-अनुकूल और सहमति-आधारित प्रणाली** है, जो DIGIPIN पर आधारित है। इसमें उपयोगकर्त्ता अपने DIGIPIN से जुड़े **कस्टम लेबल** और **वर्णनात्मक पते** (जैसे घर नंबर, सड़क का नाम आदि) बना सकते हैं।

और पढ़ें: डाकघर अधिनियम 2023

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dhruva-policy